जल गीत

Facilitate Empowering Process

PARMARTH

परमार्थ समाज सेवी संस्थान

जल गीत

नल बखरी में लगवा दो सजना
बात मेरी नहीं टालना
तुमरे दूर कुआं का पानी
भरतन मेरी चांद पिरानी
तऊ में होय बैलन की सानी
दुफरे दस खेपें चौपन को डालना
मेरी बात नहीं टालना....१
हम तो रोज उठें भुनसारे, भीतर से द्वार तक झारें
फिर गोबर को डला पवारें
मौड़ा रोवत परौ मेरो पालना, बात मेरी नहीं टालना....२
कहां तक तुमको हाल सुनावें, सब घर खूबई रोज नहावें
हम तो कछु नहीं कह पावें
होती रुच-रुच रवै घर की जो टालना, मेरी बात नहीं टालना.... ३
अब हम सब महिलाओं ने ठानी
मिलकर दूर करेंगे परेशानी
संग जुड़ेगी सभी नारियां
बात मेरी नहीं टालना।

जल गीत

पानी पंचायत की एक अजब कहानी है।

जल नीति में महिला पानी की है हकदार

फिर भी पानी के बिन, जीवन पूरा बेकार

पानी पंचायत की.......१

पानी तेरे नाम कितने है कामई के काम

हमारी परम्पराएं करती हैं हमें गुलाम

पानी पंचायत की........२

महिलाओं पर संकट है जहां-जहां

हमारा संग है वहां-वहां

पानी पंचायत........३

अब सूख गई नदियां अब कैसे बहें नहरियां

भोजन पानी के बिन, कैसे कटे उमरिया

पानी पंचायत....... ४

पानी पर महिला की है, पहली हकदारी

जिसे पाने की है, हम सबकी तैयारी

जहां कदम बढ़ाएंगे, वहां पानी ही पानी है

पानी पंचायत की एक अजब कहानी है

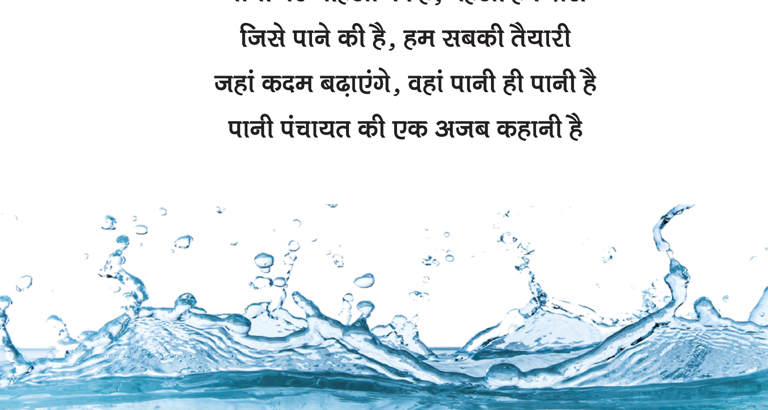

गांव गांव जाकर के बहना इतनी सबसे कह दइयो पानी सबई बचा लईयो।

सुखे ताला तलैया ताल पानी बिन सूनों संसार, जैई बात कहों समझाने
बन कि कटाई से अब पानी सो बरसो नइयां, का करें मोरी गुईयां।

जो पानी बेहत न बहने घर-घर में जाकर समझाने एक-एक पौधा सबई लगाने
ऐसी सोच बना लो भैया यही बात हमखा काने अब का होने आसु डारे

किचन गार्डन सबको लगाने, सब्जी भाजी घरई उगाने, सबके मनमे दीप जलाने
शौचालय गड्डा खुदा लइयो पानी सबई बचा लइयों

जल जीवन का है एक मुल जिखा भैया जइयो न भूल, लिखा रई रजनी क्षमा करियो भुल
ऐसी सोच बना लो भैया जैई सबके हृदय धरियों पानी सबई बचा लइयों

गांव गांव जाकर के बहना इतनी सबसे कह दइयो पानी सबई बचा लईयो।

रजनी अहिरवार , जल सहेली

जल गीत

जल की हर बूंद देती जिंदगानी
बडी सुहानी जल की कहानी
पर हमने इसकी कदर न जानी
खूब किया बर्बाद करते रहे मनमानी
पीने लायक बहुत कम अब बचा है जल
विपदा भारी नहीं मिलेगा कल जल
हरे भरे पेड हमने काट गिराए
बादल को अब कौन बुलाए
धरा का पानी भी खींच निकाला
धरती मां का आंचल खाली कर डाला
त्राहि त्राहि मची हर ओर
कहां है पानी हर तरफ ये शोर
आज ना चेते तो पछताओगे
वही तो काटेंगे जो आज बोओगे
पानी की एक एक बूंद बचाएं
तभी तो सार्थक हम जल दिवस मनाएं

शिवानी सिंह

जल गीत

नदिया तू बहती रहना
अविरल कल कल बहती रहना
तेरे किनारे सिमटे हैं इतिहास कई
तेरे किनारे रचे हैं जीवन ग्रंथ कई
लोगों को उजडते देखा
बस्तियों को बसते देखा
इनकी कहानी कहते रहना
नदिया तू बहती रहना
तेरे पानी ने जिंदगानी बचाई
तेरे पानी ने दुनिया रचाई
साक्षी है तू प्राचीन सभ्यताओं की
साक्षी है तू नूतन बदलावों की
वक्त के साथ बदलते रहना
नदिया तू बहती रहना
उतरी है तू पर्वत की गोद से
मिलने की आस लिए सागर से
राह की बाधाएं तुझे रोक ना पाएं
हर अवरोध अपने मे समाहित कर जाएं
ऐसे ही अविचल बहती रहना
नदिया तू बहती रहना

शिवानी सिंह

सुखा चाने अगर जिन्दगानी में कूरा कचरा न डारों पानी में
कूरा कचरा गढ्ढा में डारों अपना पर्यावरण सुधारों
होरा बारो न ऐसी जवानी में कूरा कचरा.......

अगर जो देश को पानी पीहे, देखो कितने दिन लो जीहे
आग लग जैहे ऐसी जवानी में कूरा कचरा........

पानी रखो सब रखो बचाके, अपनो अपनो जतन जता के
आसुँ डारो न ऐसी गिरानी में कूरा कचरा न डारों.......

मीरा अहिरवार, जल सहेली

जल गीत

पानी सहेजों, पानी बचालों पानी है वरदान
मन रंजन भोरा ....
पानी बिन सबरी हैरानी
पानी बिन आ जाये गिरानी
पानी बिन दुनिया भैरानी
पानी बिन प्रलय पर जैहें
इतनों राखों ध्यान, मन रंजन भौरा ....
पानी को तो मोल है भारी
ईसे जान में जान हमारी
बूंद-बूंद पानी खा रोको - 2
ईखों राखो मान, मन रंजन भौरा ....
खेती वाडी है पानी से
मनुष्य जी रओ है पानी से
पेड पशु सबरे पानी से
पानी बिन सूनों जग सारों - 2
पानी रतन खदान, मन रंजन भौरा
जितनी होय जरूरत लईयों
पानी व्यर्थ ना बगरईयों
सबरे ईखों मिल के बचाईयों
मिले ना पीवे जब पानी सों -2
कड जावे फिर प्रान, मन रंजन भौरा

रानी, जल सहेली

जल गीत

पवन उढा के ले गई रे देवी माँ की चुनरियआँ ॥
सबके मन हँसोरई रे परमार्थ संस्था

जबसे संस्था गांव में आई, बूढ़ी-बारी-बहिन एक करा गई
सो पानी की अलख जगा रई रे परमार्थ संस्था

पहले करत जै नारी जागरुक, फिर करवा रहे जल संरक्षण
ऐई से सबके मनमें भारई रे परमार्थ संस्था

गांव गांव में काम लगा दये, श्रमदान इनने चलवादये
सो सुखे को भोजन करादये रे परमार्थ संस्था

कोरोना से करत जागरुक, किचन गार्डन घर घर लगवा दये
सो मेड़न पे पेड़े लगवादये रे परमार्थ संस्था

रामदेवी अहिरवार , जल सहेली

परमार्थ समाज सेवी संस्थान

प्रधान कार्यलय- आयकर विभाग के समाने, चुर्खी रोड, उरई, जालौन- **285001**
नेटवर्किंग कार्यालय- नजा हॉस्पिटल की दूसरी वाली गली, शिवाजी नगर, झांसी- **284001**

Email- parmarths@gmail.com
Website- www.parmarthindia.com
Phone- 0510-2321051, 05162254910

@PARMARTHSAMAJSEVISANSTHAN @PARMARTHSAMAJSEVISANSTHAN @PARMARTHSAMAJSEVISANSTHAN @PARMARTHSAMAJSEVISANSTHAN